अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 19/11/2023 समय : दोपहर 2 से 5 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (1) किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखीये ।
(2) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र.1. गणित के आधार पर पं.व्यंकटमखी के 72 थाटों की रचना कि विधी लिखीये। (15)

प्र.2. शास्त्रीय संगीत :- कल, आज और कल। इस पर विस्तृत लिखीये। (15)

प्र.3. संगीत मे विज्ञान का महत्त्व इस विषयपर अपने विचार सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (15)

प्र.4. अ) रिक्त स्थानों की पूर्ती करें। (15)

1. भिमपलास राग के कोमल निषाद की जग अगर शुद्ध निषाद लिया जाय तो ---------- यह राग हो जायेगा।
2. आडाचौताल की मात्राएँ ---------- है।
3. धमार गाते वक्त संगत में ---------- ताल बजाया जाता है।
4. पूरिया राग गाते वक्त तानपूरे की तार ---------- , षड्ज (मध्यसप्तक), षड्ज (मध्यसप्तक), और षड्ज (मंद्रसप्तक) इस तरह मिलाई जाती है।
5. पं.भातखंडे प्रणित एकूण ---------- थाट है।

ब) **उचित जोडियाँ बनाइये।**

सा	रे
1. पं.रविशंकर	1. काफी थाट
2. देशकार	2. वितत् वाद्य
3. सॅक्सोफोन	3. भूप
4. दिपचंदी	4. तत्वाद्य (सितार)
5. राग भिमपलास	5. 14 मात्रा

क) **सही (✓) या गलत (X) बताइयें।**

1. दरबारी कानडा राग का थाट कल्याण है।
2. पं.कौशिकी चक्रवर्ती प्रसिद्ध बासूरी वादिका है।
3. तानपुरे की आखरी तार मध्य सप्तक सा में मिलाते है।
4. रुपक और तेवरा ताल की मात्रा 07 है।
5. किसी भी ताल की तिगुन यानी एक मात्रा मे दो मात्रा होती है।

प्र.5. रागों का समयचक्र और रागों के विभाजन के तीन वर्गों की विस्तृत जानकारी दीजिये। (15)

प्र.6. शास्त्रीय संगीत में बंदीश का महत्त्व इसके बारें में विस्तार से सोदाहरण लिखे। (15)

प्र.7. निम्नलिखित किसी एक कलाकार के सांगितिक योगदान के बारे में विस्तार से लिखीये। (15)

1. बाळकृष्ण बुवा इचलकरंजीकर
2. पं.विनायकराव पटवर्धन
3. श्री.ना.रातंजनकर